



अधिकतम :33° C
न्यूनतम : 25° C

खबरें छुपाता नही, छापता है

शाह टाइम्स

मुजफ्फरनगर, संगलवार 16 सितम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 245 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

shahtimes2015@gmail.com

आश्विन कृष्ण पक्ष 10 विक्रमी सम्वत् 2082

23 रबी उल अब्दल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



पांच साल वाला निरम सिर्फ मुस्लिमों के लिए क्यों: ओवैसी

पेज 2



मोहम्मद सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने खेल टाइम्स



नेपाल: सुशीला कार्की के समक्ष चुनौतियों का पहाड़ सम्पादकीय



इजरायल के खिलाफ कतर में जुटे 50 मुस्लिम देश पेज 12

एक करोड़ के इनामी नक्सली सहदेव सहित 3 नक्सली ढेर हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में सुरक्षा बलों के साथ हुई एक मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये का इनामी माओवादी सहदेव सोरेन और उसके दो साथी मारे गए हैं। यह मुठभेड़ सोमवार सुबह हजारीबाग के पनतीतरी जंगल में हुई, जो बोकारो और गिरिडीह जिलों की सीमा पर स्थित है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सहदेव सोरेन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसी सूचना के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान माओवादियों के दस्ते से उनकी मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद चलाए गए तलाशी अभियान में तीन शव बरामद हुए, जिनकी पहचान एक करोड़ के इनामी सहदेव सोरेन, 25 लाख के इनामी रघुनाथ हेम्ब्रम और 10 लाख के इनामी विरसेन गंडू के रूप में हुई है। इनके पास से तीन एके-47 राइफल भी बरामद हुई हैं।

वित्त मंत्रालय कर्मी की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज महिला गिरफ्तार
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रिंग रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी नवजोत सिंह की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। श्री सिंह वित्त मंत्रालय के उपसचिव के पद पर तैनात थे। दिल्ली कैंट क्षेत्र में रिंग रोड पर हुए दर्दनाक बीएमडब्ल्यू हादसे ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या यदि हादसे के बाद नवजोत सिंह को तुरंत नजदीकी बड़े अस्पताल पहुंचाया जाता, तो उनकी जान बचाई जा सकती थी? पत्नी संदीप कोर का कहना है कि हादसे के बाद उनके पति की सांसें चल रही थीं, लेकिन आरोपी महिला चालक उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने के बजाय 19 किलोमीटर दूर एक छोटे अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने नवजोत को मृत घोषित कर दिया।

अगस्त में थोक मुद्रास्फीति दर 0.52 प्रतिशत रही
नई दिल्ली। खाने-पीने के सामानों, खासकर विनिर्मित खाद्य उत्पादों, के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की सालाना दर इस साल अगस्त में बढ़कर 0.52 प्रतिशत दर्ज की गई, जो इस साल अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। लगातार दो महीने शुन्य से नीचे रहने के बाद थोक महंगाई बढ़ी है। इससे पहले, जुलाई में यह शुन्य से 0.58 प्रतिशत और जून में 0.13 प्रतिशत नीचे दर्ज की गई थी। खाद्य पदार्थों की थोक मुद्रास्फीति दर भी 0.21 प्रतिशत रही जो जुलाई में शुन्य से 2.15 प्रतिशत नीचे थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में प्राथमिक उत्पादों की मुद्रास्फीति दर शुन्य से 2.10 फीसदी नीचे रही। ईंधन एवं बिजली वर्ग में मुद्रास्फीति दर 3.17 प्रतिशत और विनिर्मित वस्तुओं के वर्ग में 2.55 प्रतिशत रही।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, तीन बदलावों पर स्टे वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या तय: केंद्रीय बोर्ड में 4, राज्य में 3 होंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इन्कार कर दिया, लेकिन कहा अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसोह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि अदालतों को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को वैधता माननी चाहिए और केवल दुर्लभतम मामलों में ही स्थान देना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमने प्रत्येक धारा को दी गई चुनौती पर प्रथम दृष्टया विचार किया है। हमने पाया है कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का कोई मामला नहीं बनता। हालांकि, कुछ धाराओं को कुछ संरक्षण की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का

शीर्ष अदालत ने कहा: अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रहेगी रोक

वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का मुस्लिम बोर्ड ने किया स्वागत

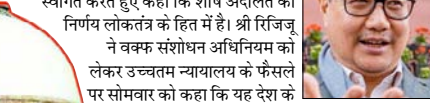


लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समिति के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम पक्ष की कुछ दलीलों को स्वीकार करने के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि

इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानों को पूर्ण राहत हासिल होगी। मौलाना ने कहा कि आज के जजमेंट में उच्चतम न्यायालय ने हमारी कुछ दलीलें स्वीकार कर उन प्रावधानों पर रोक लगाई है। हमें उम्मीद थी कि पूरे एक्ट पर स्टे दिया जाएगा। न्यायनिर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और यह शक्तियाँ के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। शीर्ष अदालत ने अपने 128 पन्नों के फैसले में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति के संबंध में कहा कि यद्यपि यह

लोकतंत्र के हित में है वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत का निर्णय लोकतंत्र के हित में है। श्री रिजिजू ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। कुछ लोग बिना वजह के संसद के निर्णय को चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती है। संसद में बने कानून के प्रावधान को लेकर चुनौती दी जा सकती है। सरकार ने शीर्ष अदालत में अधिनियम की मंशा और प्रावधान के बारे में बताया है। शीर्ष अदालत का फैसला लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।



बात एक गैर-मुस्लिम को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने वाले संशोधन पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कही। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों के

क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति दान करने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड को कार्यान्वयन पर भी रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि जब तक नियम नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

अमृतसर व गुरदासपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिले राहुल



चंडीगढ़। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब दौरे पर पहुंचे। राहुल गांधी अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से अजनाला, रामदास के गांव में जाकर लोगों से मिले। राहुल गांधी रामदास स्थित गुरुद्वारा श्री समाधि बाबा बुड्डा जी साहिब में भी

भारत की बेरोजगारी दर में आई गिरावट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में भारत की समग्र बेरोजगारी दर गिरकर 5.1 प्रतिशत हो गई। यह दर लगातार दूसरे महीने घटी है, जून में 5.6 प्रतिशत से घटकर जुलाई में 5.2 प्रतिशत तथा अब अगस्त में 5.1 प्रतिशत हो गई है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आर्थिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में यह बात कही गई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में बेरोजगारी दर अगस्त में

अगस्त में लगातार दूसरे महीने घटकर 5.1 फीसदी पर रही

घटकर 5.0 फीसदी हो गई, जो अप्रैल 2025 के बाद से सबसे कम है। शहरी पुरुष बेरोजगारी जुलाई में 6.6 फीसदी से घटकर अगस्त में 5.9 फीसदी हो गई, जबकि ग्रामीण पुरुष बेरोजगारी घटकर 4.5 फीसदी हो गई। ग्रामीण बेरोजगारी दर लगातार तीन महीनों तक गिरती रही, मई में 5.1 फीसदी से अगस्त में 4.3 फीसदी तक। ग्रामीण और शहरी बेरोजगारी दर मिलाकर 5.1 फीसदी रही।

घुसपैट खत्म करने की मोदी की गारंटी

पटना, वार्ता

बिहार में चुनाव की अधिसूचना अगले माह के पहले हफ्ते में जारी होने के आसार हैं। चुनाव को लेकर घमासान जारी है। विपक्ष मतदाता सूची प्रारूप को लेकर चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर लगातार हमलावर है। इन सबके बीच पीएम मोदी ने उस क्षेत्र से बड़ा ऐलान किया है, जहां सबसे अधिक घुसपैट होने के आरोप लगते हैं। पीएम मोदी ने पूर्णिया के शीशाबाड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर हालत में घुसपैटियों पर कार्रवाई होगी। अब इस देश में उनकी मनमानी नहीं चलेगी। यह मोदी की गारंटी है कि हर हाल में घुसपैटियों पर कार्रवाई

बिहार के सीमांचल में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने दिया देश को संदेश



होगी। आज सीमांचल और पूर्वी भारत में घुसपैटियों के कारण डेमोग्राफी का कितना बड़ा संकेत बिहार और देश के संसाधन और असम के लोग अपनी बहन बेटियों के लिए चिंतित हैं। इसलिए मैंने लालकिले से डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैटियों की वकालत कर रहे हैं। उन्हें बचाने में लगे हैं। बेशर्मा के साथ विदेश से

आने वाले घुसपैटियों को बचाने के लिए यह लोग नारे लगा रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। यह लोग बिहार और देश के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाना चाहते हैं। आज पूर्णिया की इस धरती से मैं इन लोगों को एक बात अच्छी तरह समझाना चाहता हूँ। यह राजद और कांग्रेस की जमात काम खोलकर पूरी बात सुन लो, जो भी घुसपैटिया है, उसे बाहर जाना ही होगा।

हर थाने में सीसीटीवी कैमरे जरूरी: शीर्ष अदालत अंबानी के वंतारा को क्लीनचिट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे की कमी से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि थानों में सीसीटीवी न होने से निगरानी में मुश्किल हो रही है। कोर्ट ने राजस्थान से जुड़ी एक रिपोर्ट पर एक्शन लेते हुए सुनवाई की। इस मामले में फसला 26 सितम्बर को आएगा। बेंच अपने आदेश में पुलिस स्टेशन और जांच एजेंसियों के दफतरो में सीसीटीवी कैमरे लगवाने को लेकर राज्यों और केंद्र सरकार को भी निर्देश दे सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह मुद्दा

निगरानी का है। कल को अधिकारी थाने में कैमरे बंद कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा कंट्रोल रूम चाहते हैं, जिसमें इसानी दखल कम से कम हो। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि पुलिस थानों की भी प्राइवेट एजेंसी से जांच करवानी चाहिए। हम आईआईटी को शामिल कर ऐसा सिस्टम बनाने पर विचार कर सकते हैं। हमें ऐसा सॉफ्टवेयर दें, जिससे हर सीसीटीवी फीड को निगरानी की जा सके। यह निगरानी भी मानवीय न होकर, पूरी तरह से एआई बेस्ड हो।

कहा: पुलिस थानों में सीसीटीवी न होने से निगरानी में हो रही मुश्किल, 26 को आएगा फैसला



अंबानी के वंतारा को क्लीनचिट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त विशेष जांच दल ने रिलायंस फाउंडेशन के वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र 'वंतारा' को क्लीन चिट दी है। न्यायमूर्ति पंकज मिश्रल और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने शीर्ष अदालत की ओर से गठित जांच दल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए मौखिक रूप से कहा कि पशुओं को गोद लेकर उसकी देखभाल करने के मामले में नियमों की अनदेखी करने समेत अन्य आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई नहीं दिखती। पीठ ने आगे

कहा: जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी, जैन मठ से हथिनी की शिफ्टिंग पर विवाद

कहा कि न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल को कोई गड़बड़ी नहीं मिली। अदालत ने कहा कि पशुओं को गोद लेना नियामक तंत्र के अंतर्गत आता है। अदालत ने कहा कि न्यायालय इस रिपोर्ट को अपने आदेश का हिस्सा बनाएगा। वंतारा रिलायंस फाउंडेशन के तहत अर्नत अंबानी द्वारा जामनगर में विकसित 3,000 एकड़ का एक विशाल संरक्षण केंद्र है।

मुंबई में भारी बारिश, ट्रैक डूबने से लोकल ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने मुंबई में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। सोमवार को सुबह से लगातार बारिश के कारण मुंबई में कई जगह जलभराव और ट्रैफिक जाम हो गया। अंधेरी सबसे में डेढ़ फीट तक पानी भर जाने से पुलिस ने इसे बंद कर दिया। दादर, कुर्ला और बांद्रा स्टेशनों पर पानी भरने से लोकल ट्रेनें 10-15 मिनट देरी से चल रही हैं। हैदराबाद में भी तेज बारिश जारी है। हबीब नगर इलाके में रविवार रात भारी बारिश के बाद दो लोग बाढ़ में बह गए। तीन डिजाल्पर रिस्पांस फोर्स टीमों उनकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन इलाके में पानी का बहाव अभी भी तेज है। रविवार को तय

हैदराबाद में बाढ़ के हालात, दो लोग बहे

समय से 3 दिन पहले पश्चिमी राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। राजस्थान के श्रीगंगानगर, नागौर, जोधपुर और बीकानेर से मानसून विदा ले चुका है। अगले दो-तीन दिन में पंजाब और गुजरात के कुछ हिस्सों से भी मानसून लौटना शुरू हो जाएगा। जबकि मध्य प्रदेश में मानसून दो हफ्ते और रहेगा। देश के अधिकांश हिस्सों से 15 अक्टूबर तक मानसून बह गए। तीन डिजाल्पर रिस्पांस फोर्स टीमों उनकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन इलाके में पानी का बहाव अभी भी तेज है। रविवार को तय

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या!

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के गांव टिटौली निवासी एक विवाहिता ने संधिध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाहिता के शव को नीचे उतारा और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवाहिता का पति सेना में जवान है, जो लंबे समय से म्यामार में तैनात है।

जनपद बागपत क्षेत्र के गांव गगनोली थाना दोघट निवासी लवी की शादी करीब तीन साल पहले शामली के थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के गांव टिटौली निवासी मोहित के साथ हुई थी। बताया जाता है कि शादी के बाद से सबकुछ ठीक चल रहा था,

लेकिन पिछले कुछ दिनों से लवी मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। सोमवार दोपहर में जब घर पर कोई नहीं था तो इसी बीच विवाहिता ने संधिध परिस्थितियों में अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सांस ममलेशा जब घर पर पहुंची तो उसने शव को फांसी पर लटका देखा तो उसके होश उड़ गए। सूचना पाकर थाना आदर्शमंडी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को नीचे उतारकर मामले की जांच पड़ताल की। विवाहिता अपने पीछे एक साल के बच्चे को छोड़ गई है। वही परिजनों ने बताया कि पति मोहित भारतीय सेना में तैनात है, जो म्यामार तैनात है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



वही विवाहिता के परिजनों को मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आजाद अधिकार सेना पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को भेजा झापन

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। सोमवार को आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक झापन डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन को सौंपा। इसमें संगठन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नूतन ठाकुर के विरुद्ध दर्ज 25 वर्ष पुराने सिविल मामले को जबरन आपराधिक स्वरूप में परिवर्तित किए जाने को राजनीतिक प्रतिशोध कारर देते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।



पुनः कार्रवाई पूरी तरह राजनीतिक द्रेष से प्रेरित है। झापन में कहा गया है कि अमिताभ ठाकुर और डॉ. नूतन ठाकुर

लंबे समय से भ्रष्टाचार, पुलिस अत्याचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं,

जिसके प्रतिशोधस्वरूप यह कदम उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि दर्ज आपराधिक मुकदमा तत्काल रद्द किया जाए। मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच हो और राजनीतिक हस्तक्षेप करने वालों पर कार्रवाई की जाए। भविष्य में राजनीतिक कार्यकर्तों पर प्रतिशोधपूर्ण कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया जाए।

आजाद अधिकार सेना ने चेतावनी दी है कि यदि इस मुकदमे को वापस नहीं लिया गया और न्याय नहीं मिला तो संगठन धरना, आंदोलन और विधिक कार्रवाई करेगा। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार, अंकित कश्यप, भूरा, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

जेसीबी व ट्रैक्टर बैट्री चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता
झिझाना। पांच दिन पूर्व गांव जमालपुर से जेसीबी और ट्रैक्टर से बैटरी चोरी करने वाले दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से चोरी की बाइक व चोरी किए गए बैटरी बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए दोनों चोरों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की है। बुधवार की रात्रि में गांव जमालपुर घर में खड़े नीरज पुत्र रवि निवासी पांवटी खुर्र के जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर से चोरों द्वारा बैटरी चोरी कर लिए थे। जिसमें नीरज ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में छानबीन करते हुए सोमवार को दो चोरों सादिक पुत्र अखिल हसन निवासी पांवटी कला व आवेश पुत्र सलाम निवासी गांव भूरा को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी किए गए 8 बैटरी व एक चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की है। कोतावली प्रभारी जितेंद्र कुमार शर्मा ने बताया दो बैटरी चोरों सादिक व आवेश को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से चोरी की 8 बैटरी व एक चोरी की बाइक बरामद की है। दोनों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की गई है।



एक नजर

ट्यूबवैल से चोरी में तीन गिरफ्तार



शामली। थाना गढ़ीपुछा क्षेत्रान्तर्गत वादी तेजपाल पुत्र बृहमसिंह निवासी मोहल्ला चौधान कस्बा व थाना गढ़ीपुछा की ट्यूबवैल जोकि हसनपुर अम्बेहटा रोड पर स्थित है। चोरों द्वारा उपरोक्त ट्यूबवैल से सामान चोरी कर लिया गया था। वादी उपरोक्त द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध थाना गढ़ीपुछा पर ससंगत थाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह के आद. शानुसार संधिध व्यक्ति वाहन चैकिंग व चोरों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक शामली की निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी थानाभवन के कृपाल पर्यवेक्षण में थाना गढ़ीपुछा पुलिस द्वारा ट्यूबवैल से चोरी के मामले में 3 चोरों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्तगण मोनीश पुत्र रशीद उर्फ बुद्ध निवासी मोहल्ला कुरैशियान थाना गढ़ीपुछा जनपद शामली, नदीम पुत्र अनीश उर्फ तीतरपाल निवासी मोहल्ला रैदासपुरी थाना गढ़ीपुछा जनपद शामली, अकरम पुत्र अकबर निवासी मोहल्ला रैदासपुरी थाना गढ़ीपुछा जनपद शामली है।

फर्जी विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच की मांग प्रधान व सचिव की डीएम से शिकायत



शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। झिझाना क्षेत्र के गांव सुबरी निवासी ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय में शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव द्वारा ग्राम पंचायत सुबरी में दिखाए गए फर्जी विकास निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच व भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। सोमवार को लिए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में वर्तमान ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव द्वारा वर्ष 2021-22 से अब तक ई-ग्राम स्वराज एप पर फर्जी विकास, निर्माण कार्य किए हुए दर्शाए गए हैं। ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव द्वारा ग्राम में मनरेगा के अंतर्गत फर्जी लोगों को उपस्थिति दिखाकर मनरेगा का लाभ दिलाया गया है। उन लोगों को लाभ दिलाया गया है जिनके द्वारा कभी मनरेगा के अंतर्गत कोई कार्य किया ही नहीं गया है। तालाब का कोई सोनियकरण नहीं कराया गया है जबकि ई-ग्राम स्वराज एप पर तालाब का सोनियकरण किया हुआ दर्शाया गया है। आरोप लगाया कि सभी निर्माणध्विकास कार्य फर्जी दिखाकर सरकार द्वारा दी जा रही धनराशि का अपने निजी कार्य में उपयोग कर रहा है। उन्होंने मांग की कि ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव द्वारा ग्राम में फर्जी विकास, निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच व भौतिक सत्यापन कराया जाए। इस अवसर पर हुकम सिंह, सोमवीर, सशयव त्यागी, शेर सिंह, जगपाल, सोमवीर, रोशनी, सतीश, धनी आदि मौजूद रहे।

श्रद्धा से संपन्न हुआ केस लोचन संस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। शहर के जैन धर्मशाला में मुनि विमल सागर महाराज का केस-लोचन संस्कार आज अत्यंत श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के बीच सम्पन्न हुआ। यह अवसर जैन समाज के लिए पावन और अविस्मरणीय क्षण साबित हुआ। जैन साधु जीवन की महानतम परंपराओं में से एक इस संस्कार में मुनि ने स्वयं अपने हाथों से स्वयं एक केश उखाड़कर संसारिक मोह-माया के त्याग और वैराग्य का उद्घोष किया। इस .र्य को देखकर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति और भावविभोरा से सराबोर हो उठे और इसे अपने जीवन का दुर्लभ अवसर मानते हुए पुष्प अर्जित किया। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में मुनि ने प्रवचन देते हुए एक हाक केस-लोचन केवल बाहरी त्याग नहीं, बल्कि आंतरिक कषायों का समाधान और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। पूरे नगर का वातावरण हनुमिराज की जयह के जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने इसे संयम, तपस्या और आत्मशुद्धि की प्रेरणा देने वाला ऐतिहासिक क्षण बताया, जो समाज की स्मृतियों में लंबे समय तक अंकित रहेगा।

प्रेम विवाह के विरोध में चार साल बाद ऐलानिया कल की धमकी का आरोप

चौसाना। चौसाना चौकी क्षेत्र के गांव टोडा निवासनी मुकेश देवी के एक बेटे आकाश कुमार ने अपने ही गांव की एक युवती के साथ प्रेम विवाह किया था। जिसके बाद से दोनों पक्षों में तनातनी शुरू हो गई। शादी के चार साल बाद दोनों पक्ष एक साथ बैठे और पुराने विवादों को दूर कर आपसी सहमति बनी। जिसके बाद विवाहित युवती को मायके भेज दिया गया। आरा. प है कि युवती पक्ष के लोगों ने केस दर्ज करा दिया। बेटे शुरुवात की रात्रि में युवती का भाई अपने अन्य साथियों के संग मुकेश देवी के घर में घुसा और आरोप है कि तमच से आतंकित करते हुए घर की तलाशी ली ताकि मुकेश देवी के बेटे मिले। जिसके बाद आरोपी ने पूरे परिवार के ऐलानिया कल की भी धमकी दी। पीडिता अपने बेटों के संग पुलिस चौकी पहुंची और सुरक्षा की मांग करते हुए पुलिस को शिकायती पत्र दिया। तीन दिन बीतने के बाद भी पीडिता को सुनवाई नहीं हो सकी। पीडिता एसपी शामली से मिली और कार्यवाही की मांग की गई। वही पीडिता ने बताया कि घटना का सीसीटीवी वीडियो भी उनके पास है। घटना के सम्बंध में चौकी प्रभारी चौसाना खूब सिंह का कहना है कि मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। आदेशानुसार कार्यवाही की जाएगी।



हिन्दी दिवस पर हुआ कवियों का सम्मान



शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। शहर के सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी साहित्य का जन्म मनाने एवं हिन्दी कवियों को सम्मान देने के लिए एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर भारत के प्रसिद्ध कवि एवं कवित्री के रूप में उनके द्वारा रचित कविताओं का पाठन किया।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ स्कूल की प्रधानाचार्या उजमा जैदी ने किया। कवि सम्मेलन में अक्षिता ने कवित्री महादेवी वर्मा की वे मुस्कुराते फूल नहीं, प्रांशु गर्ग ने कभी सो. हनलाल द्विवेदी की कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, मनस्वी बालियान ने कभी गाओ ऐसा गान, खुशी रावत ने चित्रकार सुनसान जग पर बना रहा था चित्र, दक्ष देशवाल ने कवि दीपक शुक्ला द्वारा रचित राष्ट्र भावना जाग रही थी देशभक्ति के गानों से, अहाना ने कवि हरिवंश राय बच्चन की जंग का दिन है सामने मैदान पड़ा है, अदिति शर्मा ने रामधारी सिंह दिनकर की हठ कर बैठा चांद एक दिन माता से यह बोला, .टि सैनी ने कुछ करना है तो डटकर चल आदि कविताओं का पाठन किया।

कवि सम्मेलन में कक्षा एक की वैष्णवी ने प्रथम, अन्वी बेनीवाल ने द्वितीय, फैयाज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 3-4 में नित्य ने प्रथम, इन्ना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 5-7 में आरिज हुसैन ने प्रथम, अमन ने द्वितीय एवं वेदिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी श्रृंखला में कक्षा 8 से 9 के विद्यार्थियों में अक्षिता व प्रांशु गर्ग ने प्रथम, मनस्वी बालियान व खुशी रावत ने द्वितीय, दक्ष देशवाल एवं सुष्टि सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अंजु मलिक व रिया एवं सतीश जैन ने जज की भूमिका निभाई।

संस्कृति महोत्सव में किया प्रतिभा का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों की प्रांतीय संस्कृति महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन 12 तथा 13 सितंबर को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबाबाद जनपद गाजियाबाद में किया गया। इस प्रांतीय संस्कृति महोत्सव प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल शामली के छात्र-छात्राओं ने उत्तम प्रदर्शन कर विद्यालय तथा जनपद का गौरव बढ़ाया।

प्रधानाचार्य संजय कुमार सैनी ने बताया कि विद्यालय के छात्र आदित्य मंगल, देव कुमार व आयुष्मान भारद्वाज ने संस्कृति प्रश्न मंच प्रतियोगिता बाल वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंताक्षरी रामायण की चौपाई में हंसराज वर्मा, उत्कर्ष जांगिड तथा वंशिका वर्मा ने भी प्रथम स्थान प्राप्त



किया। मूर्ति कला बाल वर्ग में रौनक कुमार ने द्वितीय स्थान, अंताक्षरी रामायण की चौपाई शिशु वर्ग में अनन्या शर्मा, अदिति शर्मा तथा वाणी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृति प्रश्न मंच प्रतियोगिता शिशु वर्ग अवि.

राज रुहेला, शगुन सहरावत, अनंत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में लौटने पर छात्रों का स्वागत किया गया।प्रधानाचार्य संजय कुमार सैनी, शिवकुमार धीमान ने बच्चों को पुरस्कार देखकर सम्मानित

किया। इस अवसर पर सुधीर कुमार, शिवकुमार धीमान, राजीव शर्मा, प्रवेश शर्मा, सोमदत्त शर्मा, नीरज कुमारी, रितु शर्मा, मॉनिका सैनी, ऑ. कता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

65 बच्चों ने लिया निबंध कंपटीशन में हिस्सा

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। भारतीय विद्यार्थी संगम द्वारा सोमवार को होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल बनत में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 65 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सोमवार को होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल बनत में भारतीय विद्यार्थी संगम द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ अध्यक्ष अनुराग जैन व सचिव मनीष भटनागर ने किया। प्रतियोगिता में उरुज फातिमा ने प्रथम, ईसा मिर्जा ने द्वितीय तथा अन्वी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शेष प्रतिभागी बच्चों को शास्वता पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सत्र



संयोजक अनुज जैन, अध्यक्ष अनुराग जैन, सचिव मनीष भटनागर, कोषाध्यक्ष वैभव संगल, कार्यक्रम संयोजक विनोद मितल मौजूद रहे।

इसके अतिरिक्त प्रबंधक विनोद मितल तथा शिक्षक वैशाली संगल, मनीष दीक्षित, पारस संगल, साक्षी दीक्षित आदि भी उपस्थित रहे।

किसानों के हितों की लड़ाई के लिए एकजुट होंगे किसान, लखनऊ में करेंगे बड़ा प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता
शामली। भारतीय किसान यूनियन तोमर ने गांव सुन्ना पंचायत घर में एक बैठक आयोजित कर किसानों के हितों को लेकर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से देशभर के किसान लगातार अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर संघर्षरत हैं।

आगामी 19 सितंबर को लखनऊ में आयोजित होने जा रही भारतीय किसान यूनियन की महाप. चायत को लेकर किसान नेताओं ने किसानों से एकजुट होकर भाग लेने का आ[वान किया। इस दौरान सेकड़ों किसान मौजूद रहे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर



ने बताया की महापंचायत का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना और

किसान हितों की रक्षा करना है। इसमें डैच न्यूनतम समर्थन मूल्य,का कानूनी प्रावधान, कर्ज

माफी, बिजली दरों में कटौती, सिंचाई की सुविधा में सुधार, फसल बीमा योजना को प्रभावी बनाना और अन्य कृषक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।बैठक में यह संकल्प लिया गया कि लखनऊ महापंचायत में शामिल होकर किसानों की वास्तविक समस्याओं को सरकार के समक्ष रखा जाएगा।

महापंचायत को सफल बनाने के लिए किसानों ने अपने गांव-गांव में न्यायककता अभियान चलाने का फैसला किया, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान जुड़ें और सरकार पर दबाव बनाया जा सके। इस दौरान पंचायत में सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खेल समाचार

जिम्बाब्वे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को हराया
बुलावायो, वाता। ब्रायन बेनेट (94) और तदिवानाशे मारुमनी (62) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में नामीबिया को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 34 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मालन क्रूगर (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जान फाइलिनक, जान निकोल लांप्टी-ईटन की जोड़ी ने दूसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने जान फाइलिनक (21) को पगबाधा आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई।

सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को देगी प्रतिभा दिखाने का अवसर : पंकज महराजगंज, वाता।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि 14 अक्टूबर से शुरू होने वाले सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगी। श्री चौधरी ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में आयोजन की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य का मूल आधार हैं। सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि इस वर्ष सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन 14 अक्टूबर से 25 दिसम्बर के बीच किया जाएगा।

हैंडशेक कंट्रोवर्सी ने बिगाड़ा खेल

- एशिया कप से हट सकता है पाक
- पीसीबी मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को हटाने पर अड़ा
- राशिद लतीफ ने कहा, जंग लड़ लो

दुबई, वाता। भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान यूएई में चल रहे एशिया कप से हट सकता है। रविवार को दुबई में हुए मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था।

टॉस के वक्त भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। पाकिस्तान ने इसकी शिकायत मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट से की। आरोप लगाया कि भारतीय टीम ने खेल भावना नहीं दिखलाई। पीसीबी का मानना है कि पायक्राफ्ट का व्यवहार पक्षपाती रहा है और उन्हें टूर्नामेंट से हटाया जाए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा नहीं होने पर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है। एशियन क्रिकेट काउंसिल



(एसीसी) या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन ने सोमवार को कहा कि पीसीबी ने तत्काल पायक्राफ्ट को बाहर करने की मांग की है। उन्होंने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट और क्रिकेट के स्पिरिट का पालन नहीं किया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भी विवाद में कूड़े हैं हैंडशेक कंट्रोवर्सी में पाकिस्तान

के कई पूर्व क्रिकेटर भी कूद गए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने कहा कि अगर पहलगांम की ही बात है तो भारत हमसे जंग लड़ ले। क्रिकेट में इन बातों को न लाए। वहाँ, पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि भारतीय टीम ने मैच में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, यह सिर्फ क्रिकेट मैच था। इसमें राजनीति नहीं लानी चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर शाहिद अफरीदी ने

कहा कि क्रिकेट को क्रिकेट ही रहने दें, इसमें सियासत न करें। दावा मैच रेफरी ने हैंडशेक से रोका पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का दावा है कि टॉस के वक्त मैच रेफरी ने दोनों टीमों को हाथ मिलाने की हिदायत दी है। पीसीबी का मानना है कि मैच रेफरी ने ऐसा भारतीय टीम के दबाव में किया है। रेफरी की यह हरकत आपत्तिजनक और उन्हें टूर्नामेंट से हटाया जाना चाहिए। सूर्या ने कहा था कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं मैच के बाद हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर भारतीय कप्तान ने कहा कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला बीसीसीआई और भारत सरकार की सहमति से लिया था। भारतीय टीम पहलगांम हमले के पीड़ितों के साथ खड़ी है और यह जीत भारतीय सैन्य बल को समर्पित है। बीते 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगांम में पाक समर्थक आतंकियों ने 26 निर्दोषों की धर्म पुष्टकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर पाक में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

कप्तान सूर्य कुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की

- सिक्स के साथ जिताया मैच दुबई स्टेडियम में गुंजे भारत माता की जय के नारे

दुबई, वाता। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी।

सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगांम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम में आमने-सामने थी। खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने

पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टास के वक्त भी सूर्या ने चक्र कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है। भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ पाकिस्तान को बेहतर क्रिकेट खेलना होगा:हेसन

- हमने शायद 20 या 30 रन कम बनाए और सब जानते हैं कि बीच ओवरों में हम पर दबाव बना

न्यू चंडीगढ़, वाता। पाकिस्तान की टीम के कोच माइक हेसन ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए पाकिस्तान को बेहतर क्रिकेट खेलना होगा। भारत के हाथों मिली सात विकेट से हार के बाद हेसन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज हम परास्त हुए। मुझे नहीं लगता कि हम इससे बच सकते हैं। हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। हमने शायद 20 या 30 रन कम बनाए और हम सब जानते हैं कि बीच के ओवरों में हम पर दबाव बना। एक अच्छे गेंदबाजी आक्रमण के सामने बहुत कुछ करने की ज़रूरत है, लेकिन मुझे खुशी है

कि हमारे खिलाड़ियों ने मैदान में कड़ी टक्कर दी, हालांकि स्कोर काफी नहीं था। हेसन ने कहा कि पिछले कुछ मैचों तक, साहिब, जादा फरहान और सैम अयूब ने सलामी बल्लेबाजी करते हुए 40 की औसत से रन बनाए थे और उन्होंने खास तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया था। सैम हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी हैं और किसी भी टीम के लिए अच्छी शुरुआत करना बेहद ज़रूरी है। चार मैच पहले, हम ऊपरी क्रम में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, हमने वहां थोड़ी लय खो दी है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि ये दोनों जल्द ही स्थिति बदल देंगे। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी में, शुरुआत में हम थोड़े ज्यादा ही आक्रामक थे। गेंद पिच पर रूक रही थी, जैसा कि हमने उम्मीद की थी, लेकिन हम उतनी अच्छी प्रतिक्रिया नहीं दे पाए।

सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटक के थे, नैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

दुबई, वाता। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। उन्होंने इस रस में न्यूजीलैंड के मेट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रा कराने में कामयाब रहा। 5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185. 3 ओवर डाले। ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटक के थे सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत

ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मेट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफार्म किया। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड एक पुरस्कार है, जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) हर महीने प्रदान करता है। यह अवार्ड मंस और विमंस कैटेगरी में दिया जाता है। यह पुरस्कार हर महीने के प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। महीने भर के प्रदर्शन के आधार पर हर कैटेगरी के 3 प्लेयर्स को नामिनेट किया जाता है। इनका चुनाव स्वतंत्र आईसीसी वोटिंग अकादमी करती है।



कुलदीप, अक्षर व वरुण ने मेहनत की और अच्छा प्रदर्शन किया: सूर्या

न्यू चंडीगढ़, वाता। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ स्पिन विकेटी कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने अच्छा प्रदर्शन किया।

रविवार रात पाकिस्तान को सात विकेट से हराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में सूर्यकुमार यादव से जब पूछा गया कि क्या भारत की स्पिन विकेटी कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने उम्हें जम्मादिन का सही उपहार दिया है, तो उन्होंने मजाक में कहा, मैं उन सभी को मिलाकर 12 ओवर दिए, यह मेरी ओर से रिटर्न गिफ्ट था। वे सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आप इसे अभ्यास में देख सकते हैं। वे वास्तव में अच्छी तैयारी करना चाहते हैं। एक बार जब आप मैदान पर आते हैं, तो आप देख सकते हैं कि वे कितनी अच्छी तरह तैयार हैं। और वे अपनी योजनाओं को लेकर बहुत स्पष्ट हैं, यही मैं चाहता हूँ जब मैं मैदान पर होता हूँ तो इससे मेरा

- एक बार जब आप मैदान पर आते हैं तो देख सकते हैं कि वे कितनी अच्छी तरह से तैयारी के साथ आए हैं

काम बहुत आसान हो जाता है। वे क्षेत्ररक्षण से खुश हैं और जिस छोर से वे गेंदबाजी कर रहे हैं उससे भी खुश हैं। तीनों स्पिनरों को अच्छा प्रदर्शन करते देखना अच्छा है, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह उनका अच्छा साथ दे रहे हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कैसे करनी है और कैसे निशाना बनाना है, इस बारे में भारत की योजना अक्सर विरोधी टीम को ध्यान में रखकर बनाई जाती थी।

उदाहरण के लिए, रविवार को, फखर जमान जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज के क्रीज पर होने के बावजूद अक्षर को गेंदबाजी कराने का फैसला एक योजना का हिस्सा था, भले ही यह उनके 'पारंपरिक मैचअप' के विपरीत था। भारत के गेंदबाजी प्रदर्शन का दूसरा पहलू बुमराह का इस्तेमाल करने का तरीका था।

जब उन्होंने यूएई के खिलाफ तीन ओवर पहले गेंदबाजी की, तो माना जा रहा था कि यह कदम बड़ी चुनौतियों से पहले स्वयं को थोड़ा और मजबूत बनाने के लिए उठाया गया होगा। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ भी बुमराह का इस्तेमाल इसी तरह किया गया।

सूर्यकुमार ने इसे भारत की योजना का हिस्सा बताते हुए कहा कि वे अपने सभी गेंदबाजों को जिम्मेदारी लेने पर मजबूर करना चाहते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि आज तक हमने उनसे पावरप्ले में दो ओवर ही कराए हैं, उन्होंने कभी पावरप्ले में तीन ओवर नहीं डाले। उन्होंने आगे कहा कि हम उन्हें एक आक्रामक विकल्प के रूप में इस्तेमाल करके बहुत खुश हैं। अगर वह दो विकेट ले लेते हैं, भले ही वह अपने ओवरों का एक सीमित स्पेल ही क्यों न फेंके, तो बाद में हमें सभी स्पिनरों के लिए एक अच्छा सहारा मिल जाएगा और हमारा काम थोड़ा आसान हो जाएगा।

दस देश हॉकी प्रो लीग सीजन सात की मेजबानी करेंगे

- अर्जेंटीना में पुरुष चैंपियन नीदरलैंड का सामना लीग में पदार्पण कर रहे पाकिस्तान से होगा

लॉजेन, स्विट्जरलैंड, वाता। भारत सहित 10 देश नो दिसंबर से 2025 से आयरलैंड और अर्जेंटीना में शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन सात की मेजबानी करेंगे। जर्मनी बनाम बेल्जियम पुरुष टीम के बीच आयरलैंड में इस सीजन की शुरुआत होगी। इसी दिन अर्जेंटीना में पुरुष चैंपियन नीदरलैंड्स का सामना लीग में पदार्पण कर रहे पाकिस्तान से होगा।

बेल्जियम, इंग्लैंड और जर्मनी की पुरुष टीमों, साथ ही बेल्जियम, इंग्लैंड और नीदरलैंड की महिला टीमों आयरलैंड में अपने पहले मैच खेलेंगीं। अर्जेंटीना में क्रमशः नीदरलैंड और पाकिस्तान की पुरुष टीमों, और जर्मनी और नीदरलैंड की महिलाओं से भिड़ेंगीं। लीग का समापन 28 जून 2026 को बेल्जियम, जर्मनी और इंग्लैंड के बीच रोमांचक मुकाबलों के साथ होगा। भारत में मुकाबले की शुरुआत 10 फरवरी 2026 से होगी। इस



सीजन में आयरलैंड की महिला और पाकिस्तान की पुरुष टीमों पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगीं। दोनों को एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2024-25 के जरिए पदोन्नत किया गया है। गत विजेता नीदरलैंड की पुरुष और महिला टीमों अपने खिताब का बचाव करने मैदान में उतरेगीं। 2025-26 सीजन के दौरान 10 देश एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मैचों की मेजबानी करेंगे।

अर्जेंटीना (9-14 दिसंबर 2025) - अर्जेंटीना, जर्मनी, नीदरलैंड (महिला) और अर्जेंटीना, नीदरलैंड, पाकिस्तान (पुरुष)
चीन (5-10 फरवरी 2026) - चीन, इंग्लैंड, नीदरलैंड (महिला)
स्पेन (5-10 फरवरी 2026) - स्पेन, बेल्जियम, जर्मनी (महिला) और स्पेन, इंग्लैंड, नीदरलैंड (पुरुष)
ऑस्ट्रेलिया (10-15 फरवरी 2026) - ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, आयरलैंड (महिला) और ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, पाकिस्तान (पुरुष)
भारत (10-15 फरवरी

2026) - भारत, अर्जेंटीना, बेल्जियम (पुरुष)
ऑस्ट्रेलिया (20-25 फरवरी 2026) - ऑस्ट्रेलिया, चीन, स्पेन (महिला) और ऑस्ट्रेलिया, भारत, स्पेन (पुरुष)

इंग्लैंड (13-21 जून 2026) - इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी (महिला) और इंग्लैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया (पुरुष)
नीदरलैंड (13-21 जून 2026) - नीदरलैंड, आयरलैंड, स्पेन (महिला) और नीदरलैंड, जर्मनी, भारत (पुरुष)
बेल्जियम (13-21 जून 2026) - बेल्जियम, अर्जेंटीना, चीन (महिला) और बेल्जियम, पाकिस्तान, स्पेन (पुरुष)
बेल्जियम (23-28 जून 2026) - बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड (महिला) और बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड (पुरुष)
जर्मनी (23-28 जून 2026) - जर्मनी, चीन, आयरलैंड (महिला) और जर्मनी, अर्जेंटीना, स्पेन (पुरुष)
इंग्लैंड (23-28 जून 2026) - इंग्लैंड, अर्जेंटीना, स्पेन (महिला) और इंग्लैंड,

जयपुर पोलो टीम ने जीता चिंकारा पोलो कप के 15वें संस्करण का खिताब

जयपुर, वाता। जयपुर पोलो टीम ने कोमिनवरा स्टैलियंस को हराकर चिंकारा पोलो कप के 15वें संस्करण का खिताब जीत लिया है।

रक्षा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राजस्थान में जयपुर की सैन्य छावनी के 61 कैवलरी पोलो ग्राउंड में आयोजित फाइनल मुकाबले में जयपुर पोलो टीम ने कोमिनवरा स्टैलियंस को 8-7 से पराजित कर चिंकारा पोलो कप का खिताब अपने नाम किया। चिंक. रा पोलो कप 2025 का फाइनल नाटकीय अंदाज में समाप्त हुआ। इसमें दर्शकों को अंतिम सीटी बजने तक बांधे रखा।

दर्शकों ने घुड़सवारी की कलात्मकता, खेल की भव्यता और उत्कृष्टता की खोज देखी जो सच्चे चैंपियन को परिभाषित करती है। 61 सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा ने विजेता टीम को प्रतिष्ठित ट्रॉफी प्रदान की। लांस वाइसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जयपुर टीम के लिए सर्वाधिक अंक जुटाए।

संतुलित फैसला

समवार को मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति आंगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ सशोधन अधिनियम 2025 पर अपने अंतरिम फैसले में पूरी तरह रोक लगाने से इन्कार कर दिया, लेकिन साथ ही कहा कि अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। पीठ ने यह भी कहा कि अदालतों को संसद द्वारा बनाए गए कानून की वैधता माननी चाहिए और केवल दुर्लभतम मामलों में ही स्थगन देना चाहिए। 22ई और को अदालत ने अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं (जिनकी संख्या सी से अधिक है) के एक समूह पर अंतरिम रोक लगाने के अनुरोध पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने इन याचिकाओं पर गहनता से विचार किया और पाया कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का औसत मामला नहीं बनता, लेकिन पीठ ने यह भी माना कि कुछ धाराओं को कुछ संरक्षण की आवश्यकता है। जैसे पीठ ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का न्याय निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने साफ कहा कि अगर ऐसा होता है तो शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। ठीक इसी तरह पीठ का यह भी कहना था कि केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में क्रमशः 22 और 11 सदस्यों में से तीन से अधिक गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। हालांकि ऐसा कहते हुए यह भी साफ किया कि यह न्यायालय कोई निर्देश जारी नहीं कर रहा है। फिर भी उचित यही होगा कि पीठ ने पांच साल तक इस्लाम का पालन के मानदंड के कार्यान्वयन पर भी रोक लगा दी। ऐसा करते हुए पीठ का कहना था कि जब तक नियम नहीं बन जाते तब तक वक्फ संपत्ति घोषित होने से पहले इस पर रोक रहेगी। पीठ का मानना है कि बिना किसी तंत्र के यह मानना शक्ति के प्रयोग को बढ़ावा देगा। अब अंतराल तबतक तो तभी साफ होगी जब पीठ का संपूर्ण फैसला आएगा, लेकिन फिलहाल आए फैसले से सभी पक्ष संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। जहां केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ अधिनियम 2025 पर आए निर्णय का स्वागत किया है और इस निर्णय को लोकतंत्र के हित में बताया है वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समि. के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भी पीठ के फैसले की सराहना की है और कहा है कि वे उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम पक्ष की दलीलों को स्वीकार करने के आदेश का स्वागत करते हैं और उम्मीद जताई कि इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानों को पूर्ण राहत हासिल होगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमें उम्मीद थी कि पूरे एकट पर स्टे लिया जाएगा, लेकिन कुछ अहम बातों पर स्टे लिया गया, जिसका वह स्वागत करते हैं। उनके अनुसार अभी पूरा फैसला आना बाकी है, उम्मीद करते हैं कि हम रिलीव हासिल होगी। निश्चित रूप से कोर्ट को जो अंतरिम फैसला आया है वह बेहद संतुलित है और तर्कसंगत भी है, जबकि सरकार की भाषा से लुहा है कि वह फैसले से इतनी खुश नहीं है और वह यही दुहाई दे रही है कि संसद के पास कानूनों में अदालतों को ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

...तो सिख कैसा महसूस करेंगे

वक्फ संशोधन अभिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश है, हम उम्मीद करते हैं कि शीघ्र कोर्ट इस पर कानून पर जल्द अंतिम फैसला सुनाए और सुनवाई शुरू हो, सीओ को नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह व्यक्ति जहां तक संभव हो मुस्लिम होना चाहिए, अब सरकार यही कह रही कि उन्हें कोई योग्य मुस्लिम नहीं मिला, जो पाठों किसी मुसलमान को सांसद का डिकेट नहीं देती, जिसके पास एक भी मुस्लिम सांसद नहीं है, क्या वह मुसलमान अधिकारी चुनेंगे? खुफिया विभाग में कितने मुसलमान अधिकारी हैं, वे वक्फ में चर्चा मुसलमानों को नियुक्ति करेगे, यह संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन है, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) में किसी गैर-सिख को सदस्य बना दिया जाए तो सिख कैसे सहमत करेंगे।

—असदुद्दीन ओवैसी, प्रमुख, एआरएमआईएम



ने पाल के अंतरिम सरकार की नवनिर्भुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्काई ने पदभार ग्रहण करने के बाद मातहतों के साथ संक्षिप्त बातचीत में साफ कर दिया है कि वे सत्ता का स्वाद चखने नहीं आई हैं। वह महीने बाद होने वाले चुनाव के बाद वे नए प्रतिनिधि सभा को सत्ता की चाभी सौंप देंगी। हां इस दौरान उनकी पूरी कोशिश होगी कि नेपाल अब सत्ता के लिए और ईमानदार सरकार के युवाओं को। इसके साथ संघर्षशील व ईमानदार युवाओं को आगे आना होगा।

उन्होंने जो दूसरी बड़ी बात कही वह नेपाल को तहस-नहस करने वालों की शिनाख कर उन्हें सजा-दिलाने का। सुशीला कार्की के लिए यह बड़ी चुनौती है, क्योंकि आंदोलन तो जेन जी के हाथ में था और उन्होंने को सहमत से वह प्रधानमंत्री बनी हैं तो क्या जेन जी के आंदोलन में दूसरे लोग भी घुस आए और देखते देखते नेपाल को लोख में तब्दील कर दिया? ये दूसरे लोग आखिर कौन हो सकते हैं? इसे लेकर कायसबाजी का दौर जारी है। हर जुवान पर अलग-अलग चर्चाएँ हैं। अब अगर जेन जी के आंदोलन में भारी संख्या में उपद्रवी घुस आए और काठमांडू से लेकर नेपाल के मैदानी इलाकों तक आंदोलन को हिंसात्मक बना दाले तो यह मानना होगा कि वे कितने मुस्तैद थे? प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व का मौजूदा प्रशासन इन उपद्रवियों की शिनाख कैसे और किस आधार पर करता है यह देखने वाली बात होगी। भारी हिंसा के बीच पदासीन हुई सुशीला कार्की के समक्ष सिर्फ यही चुनौती नहीं है, देखें तो उनके समक्ष चुनौतियाँ का पहाड़ हैं। उम्मीद है कि इस समक्ष बावजूद वे जले बिखरे और टूटे फूटे नेपाल को नया जीवन दे पाने में कामयाब होंगी। सुशीला कार्की न्याय विद् के साथ एक राजनीतिज्ञ परिवार से जुड़े रहने के नाते वे परिचय-राजनीतिज्ञ भी हैं। इसकी झलक तब देखने को मिली जब जेन जी के तरफ से उनका नाम फाइनल होने के बाद भी वह प्रधानमंत्री बनने को लेकर हड़बड़ी में नहीं दिखीं। प्रधानमंत्री पद की शायश उन्होंने तभी ली जब राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को संसद विघटन की उनकी मांग को मानना पड़ा। सुशीला कार्की के इस बात की सभी कायल हुए तो फिर पुराने प्रतिनिधि सभा का ही नेतृत्व करना है तो प्रष्ट्यार जिसके खिलाफ इतना बड़ा आन्दोलन हुआ, उससे पर पापा संभव नहीं है। उन्होंने दो टुक करवा कि वह एक प्रष्ट सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहेंगी।

सुशीला कार्की के पति दुर्गा प्रसाद सुवेदी का ताल्लुक नेपाली कांग्रेस से थे जिन्हें स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला का नजदीकी माना जाता है। दुर्गा प्रसाद सुवेदी पर 1973 में रायल नेपाल के जहाज

भविष्य में ऐसे विद्रोह की पुनरावृत्ति को रोकने और शासन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वतंत्र एंटी कर्षण कमीशन बनाना जाए जो राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हो। साथ ही करेट नेताओं पर मुकदमे चलाए जाएं। रोजगार सृजन हेतु युवा केंद्रित नीतियां –आईटी हब, कृषि सुधार अपनाए जाएं। एमसीसी ग्रांट को पारदर्शी तरीके से उपयोग में लाया जाए। साथ ही राजनीतिक स्थिरता हेतु चुनाव सुधार और राजनीति में युवाओं को शामिल किया जाए। इस समय नेपाल को अंतर्राष्ट्रीय सहायता की नितांत आवश्यकता है।

नेपाल: सुशीला कार्की के समक्ष चुनौतियों का पहाड़



के अपहरण का भी इल्जाम है। हालांकि यह एक आंदोलन का हिस्सा था, इस घटना पर उनको एक पुस्तक की खूब चर्चा रही। बहरहाल सुशीला कार्की के पति का नेपाली कांग्रेस से ताल्लुक होने का कोई छाप इन पर नहीं है और न ही नेपाली जहाज के अपहरण से ही उनका कोई लेना देना रहा। वह तब भी अपनी मर्जी की मुछ्दारा थीं और आज भी। बतौर न्यायाधीश उनके कई फैसले चर्चा में रहे जिसमें नेपाली कांग्रेस के एक मुस्लिम नेता के खिलाफ फैसला राजनीतिक गलियारों में भूचाल जैसा था। उनको जो कार्यशील और दूर दृष्टि व्यक्ति है निःसंदेह नेपाल को उसका फायदा मिलेगा। यद्यपि कि समय कम है, छह महीने बाद होने वाले चुनावों पर परिदृश्य क्या होगा, इस पर कुछ भी कयासबाजी ठीक नहीं है। आगामी चुनाव को लेकर भारत विरोधी और प्रभुत्व सरकार का नेतृत्व करने वाले कौंधी शर्मा आलोचकों को सता से उखाड़ फेंकने वाले जेन जो के नौजवानों का रूख अभी स्पष्ट नहीं है। वह अलग कोई राजनीतिक दल गठित करेंगे या मौजूदा किसी दल के साथ आएं, यह भी पता नहीं है। भविष्य के नेपाल में साफ-सुथरी सरकार के लिए उन युवाओं का राजनीतिकरण जरूरी है। बेहद कम समय में सुशीला कार्की के समक्ष नेपाल को फिर से सजावे संवारने की चुनौती भी है। आगामी और तोड़फोड़ में नेपाल को अरबों-खरबों का नुकसान हुआ है। नेपाल को फिर से बनाने में इतनी बड़ी रकम जुटाना आसान नहीं है। इसके लिए कोन-कोन देश आगे आता है, यह काफी कुछ हम सरकार के दिशे नीति पर निर्भर करेगा। दूरिस्ट को नेपाल के आर्थिक स्रोत का बड़ा जरिया है, उसे

स्थापित करना भी बड़ी चुनौती है। नेपाल यूँ तो आंदोलनों का देश है। सबसे भयावह आंदोलन लोक कर्तव्य बहाली को लेकर था, जिसे जनयुद्ध के नाम पर सै भी जाना जाता है, उसमें जनहानि खूब हुई लेकिन सरकारी इमारतों को क्षति नहीं पहुँचाई गई थी। बीच बीच में और भी तमाम आंदोलन हुए लेकिन वे इतना भयाक्रांत नहीं रहे। इस बार के आंदोलन की भयावहता देख भारत सहित अन्य देशों के दूरस्थों का रुख नेपाल की ओर होने में वृद्धत लगेगा। काठमांडू में भारतीय पत्रकारों को चुन-चुन कर मारा गया यह जानते हुए कि जले धुने नेपाल के पुनर्निर्माण में भारत ही मुख्य सहायक होगा। दरअसल यह सब भारत के प्रति ओली सरकार द्वारा बोए गए जहर का ही अंश था। कुछ वर्ष पूर्व आए भूकंप से नेपाल में जितनी तबाही नहीं हुई थी, नेपाली युवाओं ने अपने हाथों से नेपाल को उससे बड़ी त्रासदी दे दी। जितनी किन्मथी थी, उसे हटाने के लिए आंदोलन ठीक था, लेकिन सरकारी संपत्तियों को सुपुर्द-ए-खाक करना नादानी थी। काठमांडू से लेकर नेपाल के तमाम शहरों कस्बों में जलते हुए मकान, सरकारी इमारतों को देख ऐसा लगता है कि इसका पुनर्निर्माण आसान नहीं है। हर जुवान पर चर्चा है कि अब परंप्रतिनाथ ही नेपाल को नया जीवन दे पाएंगे। सुशीला काशी की जित भ्रष्टाचार मुक्त नेपाल बनाने के साथ भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की भी है। नेपाल में अभी जितने भी राजनीतिक दल हैं, उसके सारे बड़े नेताओं के हाथ भ्रष्टाचार से सने हैं, चुनौती है राजनीति से भ्रष्टाचार खत्म करना भी बड़ी चुनौती है। राजधानी काठमांडू जिससे काष्टमंडप भी कहा जाता था, अब स्वाहा हो चुका है। मात्र 48 घंटे की अराजकता में अब स्वाहा बर्बाद हो गया। सरकार और विपक्ष भाग खड़े हुए। भ्रष्टाचार को अपनी जान बचाने को इधर-उधर भागना पड़ा। उन्हे घर के पिछवाड़े, नदी नालों के कद कर भागते हुए देखा गया। आंदोलनकारियों के पैरों में जो आए उनकी जमकर कुटाई हुई। युवाओं में सरकार हो या विपक्ष सभी नेताओं के प्रति ऐसा गुस्सा था कि चाहे संसद भवन हो या राष्ट्राध्यक्ष कार्यालय, सिंह दरबार हो या रेब्यू भवन सभी में आग लगा दी गई। सारे जरूरी दस्तावेज



जल्दकर स्वाहा हो गए। जेलों से भारी संख्या में कैदी फरार हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री, दर्जनों मंत्रियों के आवास फूंक दिए गए। भारत नेपाल संबंधों को नया आयाम देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा नेपाल का गांधी भी कहा जाता है, स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला की प्रतिमा पर वीरगज में बरस रही हथौड़ा चलाते दृष्टा देखा गया। इधर जेन जी समूह में इस बात को लेकर वैचारिक मतभेद भी था कि अंतरिम सरकार को नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का हो या राज संस्था विचारधारा का? सुशीला कार्की की शिक्षा वागणसी के बीएचयू में भी हुई है और यह भारत के प्रधानमंत्री को फालो करती हैं। जेन जी समूह के 40 प्रतिशत से अधिक कर्मी हैं। जेन जी पहली पदवी थीं। जेन जी का यह सही फैसला था कि उन्होंने एक साहसी न्यायविद महिला को अंतरिम सरकार का मुखिया चुना। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला न्यायाधीश थीं, अब पहली महिला प्रधानमंत्री का खिताब भी उनके खाते में दर्ज हुआ। राजशही के जमाने से ही नेपाल का भारत से उतार-चढ़ाव जैसा संबंध रहा है। लोकतंत्र का बहाली के बाद ज्यादातर नेपाली सरकारें भारत से मतलब भर का संबंध रखती थी। अभी अभी तत्कालपलट के शिकार हुए ओली की शिनाख्त कट्टर भारत विरोधी की रही है। उन्होंने नेपाल की जनता में भारत के खिलाफ जहर घोलने में कोई कसर नहीं छोड़ा। सत्ता से हटने के बाद भी सेना के कैप्टन कप्तान से उन्होंने तत्कालपलट के लिए मनागढ़त कर्तवियों के साथ भारत पर आरोप मढ़ा है। भारत नेपाल के बीच असमहमियाँ हैं, इसे लेकर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की का क्या रुख होता है, यह भी गौरतलब होगा। सनातनी विचारधारा से लैस पूर्व न्यायाधीश सुशीला कार्की के हाथ नई सरकार की कमान भारत के लिए सुखद संकेत है। इस बात की कामना की जानी चाहिए कि सुशीला कार्की को नेतृत्व में नेपाल में लोकतंत्र मजबूत हो और वह फिर से उठा खड़ा होने में सक्षम हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाली युवाओं के आक्रोश का असर



डा. चंद्रप्रकाश शर्मा

युवा शक्ति का पुंज है, भुजदंडों में जाना। मेधा से सम्पन्न व्यक्त, रत्नतनू विधान। युवा उल्ट है वायु का, अंधड़ न बन जाए, इसकी मेधा -शक्ति का सभी करो समाज। ये पंक्तिया 8 सितंबर 25 को नेपाल की सड़कों पर उठने युवाओं के विरोध प्रदर्शन की सीटीका को उद्घाटित करती है। हिमालय की गोम में बसा एक छोटा सा देश नेपाल आज एक अभूतपूर्व राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। जिस जरेजरेश-जी विद्रोह के नाम से जाना जाएगा, क्योंकि इस विद्रोह में जरेजरेश-जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। और जो नेपाल की आबादी का लगभग 30 प्रतिशत है। जेन-जी वह आबादी है जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। 4 सितंबर 2025 को ओली सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाया, जिससे युवाओं ने अस्थायित्व की स्वतंत्रता पर हमला माना जबकि सरकार ने इन प्लेटफॉर्म को फेक न्यूज फैलाने और विदेशी हस्तक्षेप

का दोषी ठहराया। हामी नेपाल संगठन के लीडर व सामाजिक कार्यकर्ता सुदन गुरुंग ने सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं को एकजुट कर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सोशल मीडिया प्रतिबंध का मुद्दा नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और अक्षय शासन के खिलाफ लड़ाई है। इससे युवाओं का गुस्सा चूट पड़ा। सोशल मीडिया सरकार पर भार-भांतिजाबाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं और विगत वर्षों में सड़क निर्माण और बिजली परियोजनाओं में अरबों का घोटाला सामने आ चुका है। साथ ही युवा वर्ग पहले से ही शासक वर्ग के परिवारों को ठेके और नौकरियों में प्राथमिकता देने से नाराज था।

इसके साथ ही 2024 में आली सफ़र द्वारा दो बार गठबंधन पर राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी और सत्ता परिवर्तन ने जनता का विश्वास तोड़ा। परंपरा से मंचर बालेन शाह ने फंसबुक पर जेन-जी के नेतृत्व में शुरू हुए आंदोलनों को समर्थन किया। बालेन, प्रष्टाचार के खिलाफ जेनो टॉलरेंस नीति के कारण नेपाल के युवाओं में बहुत अधिक लोकप्रिय हैं। आर्थिक असमानता और बेरोजगारी के कारण नेपाल के युवा प्रस्थ हैं, उनके अर्थव्यवस्था में से प्रस्थ हैं। नेपाल की अर्थव्यवस्था पर्यटन और रीमिटेंस अर्थात प्रवासी नेपाली मजदूरों से आता था, पर निर्भर है, यह व्यवस्था पट्टी पर नहीं लौटी। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की ओर प्रलापन बढ़ा है, लेकिन युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही हैं,

जबकि नेताओं के परिवार लगातार अमीर हो रहे हैं। बुनियादी ढांचे में निवेश कम है। जरूरतें—जो को लागू किया कि विकास का मॉडल टूट चुका है, इस विचार ने विविध प्रदर्शनों में ईंधन का काम किया। इसके साथ ही हिंदू राज और राजशाही समर्थक समाजवादी भी एक कारक बनने को लगा कि हमारी समाजिक और सांस्कृतिक पहचान खोती जा रही है। इन कारणों ने एक जटिलमूर्खी का रूप धारण कर प्रदर्शन को हिंसक बनाया जिससे 1990 के दशक को मृत्यु हो चुकी है, रैकेटों द्वारा घायल हैं, संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और अन्य सरकार इमारत में आग लग गई। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को त्यागपत्र देना पड़ा। विद्रोह को रोकना समय की मांग है। संसद को मृत्यु यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन संकट से उबरने के लिए हमें सार्थक उपाय करने होंगे ताकि वर्तमान संकट को शांत करके भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। इस हेतु तात्कालिक रूप से सेना को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रहकर अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक को आमंत्रित कर संवाद शुरू करना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध हटा लिया गया है लेकिन एक न्यूज पर नियंत्रण के लिए पारदर्शी नीति बनाई जानी चाहिए। साथ ही बेरोजगारी को आर्थिक राहत देने हेतु बेरोजगारी भत्ता देने की व्यवस्था हो। पर्यटन को पुनर्जीवित किया जाए तथा विषय बैंक से आपाकालीन फंड मांगे जाएं, ताकि नेपाल की अर्थव्यवस्था और निर्माण को पटरी पर लाया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ओजोन परत के बिना असंभव पृथ्वी पर सुरक्षित जीवन का अस्तित्व

1 6 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रासायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बृहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदाई माने जाते हैं। ओजोन परत को रोकने है, यह किन्तु तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जा रहा है किन्तु निम्ना की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है।

प्रतिपाद एक विशिष्य थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस माना जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2025 को थीम विज्ञान से वैज्ञानिक कार्रवाई तक है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है। यह थीम ऑजोन प्रोटोकॉल के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान की भूमिका और आवश्यक वैज्ञानिक सहयोग पर केंद्रित है।

विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह ध्वनि निरंतर भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निषेध जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ डिग्री ताप को डब्ल्यू 2 डिग्री तक सीमित रखने किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए

विश्व ओजोन दिवस पर विशेष

युनिआपार के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के रूप लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा को कम कर रही हैं। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को तीव्रता में 35 प्रतिशत की दर से घटाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल अखति परमाणु हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना पड़ेगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि पिछले जू-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो गई हो रही है, जहां अभी भी कोयले की 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक रूप से जीवाश्म ईंधन की कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन का उपयोग पर सस्बिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी ईंधन है और 2030 तक सी फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के अतिरिक्त रिपोर्ट में भारत की सहजता भी की गई थी। विश्व ऊर्जा के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विविधता का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी

हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ की पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अंधकूश बीजानियों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा।

हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना

शुरू हो जाते हैं और सदी की तुलना में गमी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुँचने वाली परावैगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिक तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। ओजोन परत वातावरण में बनती है जब सूर्य से परावैगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती हैं और ए परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊँचाई पर वायुमण्डल के समतापी मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झोला सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यह वह परत है, जो परावैगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिस



योगेश कुमार गोयल

ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन गैस प्राकृतिक रूप से बनती है। निम्नले वातावरण में पृथ्वी के निकटतम ओजोन की उपस्थिति प्रदूषण बढ़ने वाली ओजोन स्थायिक के लिए हाहनाकार लेकिन ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत की उपस्थिति पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक है। जब सूर्य की किरणें वायुमंडल में ऊपरी सह पर ओक्सीजन से टकराती हैं तो उच्च ऊर्जा विकिरण के कारण इसका कुछ हिस्सा ओजोन में परिवर्तित हो जाता है।

ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों के लिए एक अच्छे फिल्टर के रूप में कार्य करती है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली पराबैंगनी किरणों का लगभग 99 फीसदी भाग ओजोन मंडल द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राण जीव वनस्पति सूर्य के तेज ताप और विकिरण से सुरक्षित हैं और इसी कारण ओजोन परत को सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। यही कारण है कि प्रायः कहा जाता है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही सम्भव हो जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

